RNI No.RAJHIN/2012/44901

Postal Reg. No. जयपुर सिटी/403-2024-26

निवेश पत्रिका

शुभ दिवाली

निवेश करें लगातार, सपने करें साकार

वर्ष : 14 | अंक 4 | www.mftoday.com | हिन्दी मासिक | जयपुर, 1 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य : 10 रुपए | email : Services@mftoday.com

सम्पादकीय

दिवाली v/s निवेश एक विचारशील तुलना

1. दीप जलाएं या निवेश करें?

जैसे दिवाली में हम घर को रोशन करते हैं, ठीक वैसे ही निवेश हमारे भविष्य को उजाले से भर देता है।

2. लक्ष्मी पूजन v/s धन प्रबंधन

दिवाली पर हम मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं, और निवेश एक सतत प्रक्रिया है जिससे धन को सही दिशा दी जाती है।

3. खर्च vs बचत

दिवाली में अक्सर ज्यादा खर्च होता है, पर यदि हम उसमें से थोड़ा हिस्सा निवेश में लगाएं, तो अगली दिवाली और भी रोशन हो सकती है।

4. नई शुरुआत का पर्व

दिवाली एक नई शुरुआत का प्रतीक है, और निवेश की शुरुआत के लिए यह एक शुभ समय भी माना जाता है।

5. आतिशबाज़ी vs कंपाउंडिंग

आतिशबाज़ी एक पल में खत्म हो जाती है, पर SIP और लंबी अवधि का निवेश धीरे-धीरे धन को कई गुना बढ़ाता है। इस दिवाली केवल दीपक नहीं जलाएं, वित्तीय जागरूकता का दीप भी जलाएं।

निवेश करें : क्योंकि त्योहार तो हर साल आएंगे, पर सही निवेश आपके हर साल को त्योहार बना सकता है।

शुभ निवेश, शुभ दीपावली!

नवभारत की सोच – स्मार्ट निवेशक बने

वित्तीय स्वतंत्रता की ओर पहला कदम त्योहारों से भी जुड़ सकता है। जैसे हम लक्ष्मी पूजन करते हैं, वैसे ही वित्तीय लक्ष्मी को भी घर बुलाना जरूरी है - और उसका रास्ता निवेश से होकर गुजरता है।

निवेश का दीप जलाएं, भविष्य रोशन बनाएं!

इस दिवाली केवल लाइट्स और मिठाइयों तक सीमित न रहें निवेश को भी अपनी परंपरा में शामिल करें।

अंत में एक पंक्ति

'दीये तो हर साल जलते हैं, लेकिन सही निवेश जीवन भर उजाला करता है।'

डॉ. रमेश मालू
सम्पादक

मालू इंवेस्टवाइज प्रा. लिमिटेड के डायरेक्टर डॉ. रमेश मालू और सीए कमल मालू का एचडीएफसी समूह के संस्थापक श्री दीपक पारेख एवं एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक व सीईओ श्री नवनीत मुनोत से प्रेरणा दाई मुलाकात के गौरवपूर्ण क्षण

एचडीएफसी समूह के संस्थापक श्री दीपक पारेख एवं एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक व सीईओ श्री नवनीत मुनोत से मुंबई में मालू इंवेस्टवाइज प्रा. लिमिटेड के डायरेक्टर डॉ. रमेश मालू और सीए कमल मालू से मुलाकात हुई इसमें निवेश की रणनीति, भारत की आर्थिक दिशा और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमे उन्होंने बताया की वर्तमान परिदृश्य एवं बदलती इकॉनमी में आने वाले समय में भारतीय इक्विटी मार्केट अत्यंत बदलाव के साथ सुनहरा अवसर प्रदान करेगा, यह मुलाकात सिर्फ एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि एक सीख, प्रेरणा और वित्तीय दृष्टिकोण को सशक्त करने वाला क्षण रहा।

अपनी बचत को सही निवेश कर अपने गोल को पूरा करने हेतु सम्पर्क करें: - 8287 099 099

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

एक से अधिक लोन के जाल में फंसे हैं आप! इस तरह निकले बाहर

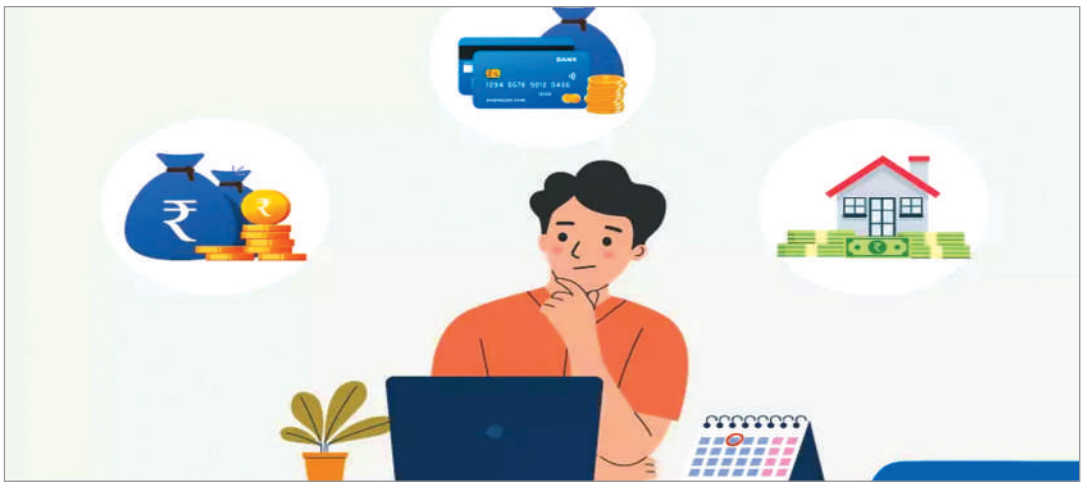

कब किसकी फाइनेंशियल स्थिति खराब हो जाए कोई नहीं जानता है। बदलते लाइफस्टाइल में हर किसी का खर्च बढ़ा हुआ है। इसके चलते विपरीत हालात में बहुत सारे लोगों के पास लोन लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। कई बार ऐसा होता है कि वित्तीय स्थिति नाजुक होती चली जाती है और उसके ठीक करने के लिए एक से अधिक लोन लेना होता है। अगर आप भी एक से अधिक लोन के जाल में फंसे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि उससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। कर्ज से मुक्ति के लिए करें ये उपाय।

अधिक ब्याज वाले लोन का पहले भुगतान करें

अगर आपने एक से अधिक पर्सनल लोन ले लिया तो यह देखें कि किस पर आपको सबसे अधिक ब्याज चुकाना पड़ रहा है। इसके बाद आप अधिक ब्याज वाले लोन चुकाने की कोशिश सबसे पहले करें। आप यह काम गोल्ड लोन या बचत से पैसे निकाल कर कर सकते हैं। अधिक ब्याज वाले लोन जल्द चुकाने से आपको अच्छी बचत हो जाएगी। यह आप पर वित्तीय बोझ को कम करेगा। होम लोन पर ब्याज की दर कम होती है। इसलिए उसे जल्द चुकाने की कोशिश नहीं करें।

बैंक से बात करें

आज कल बैंक एक से अधिक लोन को एक साथ मिलाने का विकल्प दे रहे हैं। आप बैंक से बात कर यह काम कर सकते हैं। मल्टीपल लोन को एक साथ मिलाने से आपको वक्त भी ज्यादा मिल जाता है और बैंक कम ब्याज भी वसूलते हैं। आप यह विकल्प लोन ट्रांसफर के रूप में भी ले सकते हैं। कई बैंक ऐसे विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

फिजूलखर्ची को रोके

अपनी आय और खर्च पर बारीकी से नज़र रखने के लिए एक बजट बनाएं। उन फिजूल खर्चों को रोके और उस बचत के पैसे से लोन की ईएमआई का भुगतान करें। मौजूदा लोन को निपटाने के लिए नए ऋण लेने से बचें, क्योंकि इससे चुनौती और बढ़ेगी। इसके बावजूद भी अगर आप कठिनाइयों का सामना करते हैं, तो मार्गदर्शन के लिए अपने बैंक या क्रेडिट परामर्शदाता से परामर्श लें और समाधान तलाशें।

ज्ञान के मोती

1. **बचत-** खर्च करने के पश्चात जो बचे उसे बचत ना करे। बल्कि बचत करने के पश्चात जो बचे उसे ही खर्च करे।
2. **खर्च-** खर्च आवश्यक व दीर्घकालीन उपयोगी वस्तुओं पर ही करें। अन्यथा बिना जरूरत की चीजों पर खर्च करेंगे तो शीघ्र बेचना पड़ सकता है। या कबाड़ी को देना पड़ सकता है।
3. **कमाई-** वर्तमान समय में कभी भी एक अकेली आय पर निर्भर न रहे। वरन् यह जरूरी है। अपने निवेश को अपनी आय का दूसरा साधन (जरिया) बनावें ।
4. **जोखिम -** जीवन में हर मोड़ पर जोखिम है । अतः थोड़ा जोखिम लेना जरूरी है। क्योंकि जोखिम से रिटर्न की सम्भावना अधिक रहती है।
5. **निवेश** - सभी सेव को एक टोकरी में रखने से उनके खराब होने की सम्भावना अधिक रहती है। अर्थात् निवेश भी डाइवर्सिफाइड (विभिन्न सेक्टरों) में होना चाहिये।

क्या आप अपने डीमेट खाते की बराबर देखरेख कर पाते है?

इक्विटी म्यूचुअल फंड एक गुलदस्ते (फूलदान) की भाँति है जिस तरह एक व्यक्ति अपने ड्राईंगरूम में रखें फूलदान में रंग-बिरंगे फूल रखता है और उन फूलों की समय-समय पर या प्रतिदिन देख-रेख करता है, कोई मुरझाया हुआ फूल होता है, उसें वह निकाल देता है और दूसरे ताजा फूलों को उसमें जोड़ देता है। ठीक उसी तरह Equity Diversified MF's के Fund Manager भी रंग-बिरंगे फूलों अर्थात् Diversified Sectors जैसे Steel, Banking Software, Telecom, Consumer Goods, Petroleum Product, Cement, Pharmaceuticals, Automobile आदि से अपने फंड को सजाता है। Fund Manager बिल्कुल एक गुलदस्ते (फूलदान) की भाँति इन शेयर्स की प्रतिदिन अच्छी तरह देख-रेख करता है अर्थात् अच्छे शेयर्स रखता है और खराब शेयर्स को बेचता है। समय-समय पर फूलों के कलर्स अर्थात् सेक्टर को भी बदलता रहता है अर्थात् वह 25-30 सेक्टर में अलग-अलग इनवेस्ट करता है परन्तु डीमेट खाते में एक व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा 2-3 सेक्टर में ही इनवेस्ट कर पाता है।

मौसम में बदलाव के अनुसार फूलदान में फूलों के Colour Change करते रहते है ठीक उसी प्रकार भविष्य की संभावनाओं को देखते हुये Fund Manager यह निश्चित करता रहता है कि किस सेक्टर में ज्यादा निवेश किया जाएँ और किस सेक्टर में कम जबकि डीमेट खाते को हम साल में एक बार भी सम्भाल नहीं पातें। एक Fund Manager यह काम प्रतिदिन करता है। आप अपनी नौकरी, बिजनेस, व्यस्तता या अन्य कई कारणों से इन फूलों अर्थात् शेयर्स की सही देख-रेख नहीं कर पाते हैं। इस कारण कई बार अच्छे शेयर्स अर्थात् जिनसे भविष्य में आपको ज्यादा मुनाफा मिलने वाला था उनको जल्दी बेच देते है। खराब शेयर्स डी-मेट खाते में पड़े रहते है। इन सब से आपकी लाभ की सम्भावना कम हो जाती है अर्थात् हानि ही होती है। इस हानि से बचने के लिए एक अच्छा विकल्प है Mutual Fund जिसमें आप एक अनुभवी, प्रशिक्षित, Fund Manager द्वारा इकट्ठे किए गए अनेक रंग-बिरंगे फूलों की खुशबू ले सकते है अर्थात् Fund Manager समय-समय पर शेयर्स के सेक्टर में चेन्ज करता रहता है। जिससे फंड में निवेश करने पर लाभ की संभावना बढ़ जाती है। अच्छे फंड को खरीदने के लिए आपको एक प्रमाणित, अनुभवी, प्रशिक्षित, वित्तीय सलाहकार की जरुरत होती है जो आपको निष्पक्ष सलाह देकर सही फंड खरीदने में आपका मार्गदर्शन करता है।

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

त्योहारी सीजन में खरीददारी करते वक्त इन बातों का रखे ध्यान

नवरात्रि के साथ ही पूरे भारत में त्यौहारी सीजन की शुरूआत हो चुकी है। त्योहार में खर्च बहुत सोच-समझकर करना चाहिए, खासतौर पर ईएमआई पर शॉपिंग से बचना ज्यादा जरूरी है। अक्सर लोग फेस्टिव सीजन में नए कपड़े, गहने, इलेक्ट्रॉनिक्स और घर की सजावट पर खुलकर खर्च करते हैं, और कई बार जरूरत से ज्यादा कर्ज भी ले लेते हैं। अगर आप भी फेस्टिव सीजन में बजट से बाहर जाकर खर्च करने की सोच रहे हैं, तो एक बार रुकिए! यह समय है बुद्धिमानी से खर्च करने का, ताकि त्योहारी खुशियां बाद में आर्थिक बोझ न बन जाएं। फेस्टिव सीजन के दौरान किन बातों का ध्यान रखें जिससे आपकी जेब भी बचे और खुशियां भी बनी रहें, आइए इन्हीं बातों पर यहां चर्चा करते हैं।

फेस्टिवल से जुड़ी जरूरी त्योहारी वस्तुओं की लिस्ट बनाएं

त्योहारी सीजन में बिना सोचे-समझे खरीदारी करने की बजाय, आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बनाना ज्यादा समझदारी भरा निर्णय है। अक्सर लोग इसे जरूरी नहीं मानते, लेकिन इस तरह की सूची बनाना आपकी वित्तीय स्थिति को समझने और अपने खर्चों की बेहतर योजना बनाने में मदद करता है। आप गैर-जरूरी चीजों पर खर्च कम कर सकते हैं, लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें हटाया नहीं जा सकता। जैसे उपहारों की सूची बनाते समय, किन-किन लोगों को उपहार देने हैं, उनके नाम शामिल करें। अगर आप त्योहारी सेल में कोई बड़ी खरीदारी करने की सोच रहे हैं, जैसे नई कार, ज्वेलरी, घर के लिए कोई नया उपकरण, या घर की डाउन पेमेंट तो उन्हें भी शामिल करें।

एक व्यावहारिक त्योहारी बजट बनाएं

जैसे ही आप गिफ्ट ढूंढना, कार्यक्रमों की योजना बनाना या घर को सजाने की सोचते हैं, वैसे ही एक व्यावहारिक बजट भी तैयार करें। तय करें कि आप कुल कितना खर्च कर सकते हैं जिससे आपकी वित्तीय स्थिति पर असर न पड़े। आप भोजन, सजावट, उपहार और मनोरंजन जैसे अलग-अलग कैटेगरी में बजट बांट सकते हैं। हर कैटेगरी के लिए सीमित राशि निर्धारित करने से आपको ट्रैक पर रहने और अनावश्यक खर्च से बचने में मदद मिलेगी। त्योहारी सेल और छूट आकर्षक हो सकती हैं, लेकिन आपको सोच-समझकर और जरूरत के अनुसार खर्च करना चाहिए। आपकी मासिक आय, मौजूदा कर्ज और अन्य आर्थिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अपना बजट तैयार करें।

फिजूलखर्ची से बचें

दूसरों के दिखावे में आकर फिजूल खर्च न करें। हर व्यक्ति की वित्तीय स्थिति अलग होती है, इसलिए अपने बजट पर टिके रहना बेहद जरूरी है। अपने खर्चों के प्रति जागरूक रहें, अपनी जरूरतों की योजना बनाएं और भौतिक वस्तुओं की बजाय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें। आजकल बहुत सी वित्तीय संस्थाएं पर्सनल लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन, इंस्टेंट लोन जैसी स्कीमें देती हैं, जिससे महंगी चीजें किस्तों में खरीदना आसान लगता है। हालांकि, इस तरह के कर्ज लेकर त्योहार मनाना सही नहीं है क्योंकि इससे भविष्य में कर्ज का बोझ बढ़ सकता है और आपकी वित्तीय सेहत पर असर पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड के ज्यादा उपयोग से बचें

त्योहारों में क्रेडिट कार्ड का उपयोग सुविधाजनक लग सकता है क्योंकि इनमें कई आकर्षक ऑफर जैसे जीरो इंटरेस्ट EMI या ज्यादा कैशबैक मिलते हैं। लेकिन, इनकी ऊंची ब्याज दरों के कारण जल्दी ही कर्ज का जाल बन सकता है। त्योहारी खरीदारी के दौरान क्रेडिट कार्ड की बजाय नकद या डेबिट कार्ड का उपयोग करें। इससे आप सिर्फ उतना ही खर्च करेंगे, जितना आपके पास है। अगर क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना ही पड़े, तो पूरा भुगतान समय पर करें ताकि ब्याज न लगे और बकाया न बढ़े। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने से पहले अपने क्रेडिट लिमिट को अच्छी तरह समझ लें।

बोनस और नकद उपहार का समझदारी से उपयोग

फेस्टिवल में आपको ऑफिस से बोनस या रिश्तेदारों से नकद उपहार मिल सकता है। आमतौर पर लोग इस धनराशि को तात्कालिक इच्छाओं को पूरा करने में खर्च कर देते हैं, लेकिन यह समझदारी नहीं है। वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और भविष्य में कर्ज से बचने के लिए धैर्य से खर्च करने की आदत अपनाना जरूरी है। इस बोनस और उपहार का कुछ हिस्सा बचत या निवेश में लगाएं, जिससे लंबे समय में इसका लाभ मिल सके।

Gen Z के लिए गेमचेंजर हैं निवेश के ये 7 स्मार्ट टिप्स, ये छोटे-छोटे कदम बनाएंगे अमीर!

आज की जेनरेशन यानी Gen Z (1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी) स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में बड़ी हुई है। इन्हें शॉपिंग, ट्रैवल, लाइफस्टाइल और टेक्नोलॉजी पर खर्च करना पसंद है, लेकिन जब बात सेविंग और इन्वेस्टमेंट की आती है तो ज्यादातर लोग सही जानकारी की कमी से पीछे रह जाते हैं। यहाँ हम आपको बता रहे हैं ऐसे 7 स्मार्ट फाइनेंशियल टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप न सिर्फ अपनी सेविंग्स बढ़ा सकते हैं बल्कि धीरे-धीरे एक मजबूत फाइनेंशियल फ्यूचर भी बना सकते हैं।

अपनाइए 10-30-50 रूल

पैसे बचाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है 10-30-50 रूल। इसका मतलब है कि अपने 20s (20-29 साल की उम्र) में आप अपनी इनकम का कम से कम 10% बचाना शुरू करें। जब आपकी उम्र 30s (30-39 साल) में पहुंचे तो इस सेविंग को 30% तक बढ़ाएं और जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़े, आप 50% तक सेविंग करने की कोशिश करें।

पगार से पगार तक जीना छोड़िए

एक बड़ी दिक्कत ये है कि Gen Z का आधा से ज्यादा हिस्सा महीने के आखिर में कंगाल हो जाता है। यानी सैलरी आने से लेकर अगले महीने की सैलरी तक जीना। इससे न सिर्फ आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ रुकती है, बल्कि स्ट्रेस भी बढ़ता है।

छोटे से शुरुआत करें

निवेश करने के लिए आपको करोड़पति बनने की जरूरत नहीं है। आप चाहें तो सिर्फ रूपये 500 प्रति माह से म्यूचुअल फंड SIP शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा ETFs (Exchange Traded Funds) कम लागत वाले और शुरुआती निवेशकों के लिए काफी आसान विकल्प हैं।

कंपाउंडिंग का जादू समझें

निवेश का सबसे बड़ा राज़ है कंपाउंडिंग। मान लीजिए आपने 10 साल तक हर महीने रूपये 1,000 निवेश किया और एवरेज 12% रिटर्न मिला, तो आपका रूपये 1,20,000 का निवेश 2.3 लाख से ज्यादा बन सकता है। यही अगर आप 20 साल तक करें तो ये रकम 10 लाख के करीब पहुंच सकती है।

मार्केट के उतार-चढ़ाव से न डरें

स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड्स में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। कई बार निवेशक छोटी गिरावट देखकर घबरा जाते हैं और पैसे निकाल लेते हैं।

जल्दी शुरुआत करना है सबसे बड़ा फायदा

अगर आप 22-23 की उम्र से ही निवेश शुरू करते हैं, तो आपके पास कंपाउंडिंग का फायदा लेने के लिए कई दशक होते हैं। यही आपकी सबसे बड़ी स्ट्रेंथ है।

इमरजेंसी फंड बनाना जरूरी

Gen Z के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि हर समय चीजें प्लान के हिसाब से नहीं होतीं। अचानक नौकरी चली जाए, हेल्थ इमरजेंसी हो या कोई और परेशानी - ऐसे वक्त पर कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए।

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

लक्ष्मीजी से सीखें निवेश के सूत्र

भारतीय संस्कृति में मां लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना जाता है। दिवाली पर हर घर में लक्ष्मी पूजन का आयोजन इसी भावना से होता है कि आने वाला समय सुख और संपन्नता लेकर आए। किंतु यदि इस परंपरा को आधुनिक वित्तीय दृष्टिकोण से देखा जाए, तो मां लक्ष्मी का संदेश हमें बेहतर निवेश रणनीति बनाने के लिए कई अहम सबक देता है।

अनुशासनः संपत्ति निर्माण की आधारशिला

मां लक्ष्मी को स्थिरता तभी मिलती है जब पूजन नियमित और अनुशासित ढंग से किया जाए। निवेश में भी यही सिद्धांत लागू होता है। बिना अनुशासन के किया गया निवेश अक्सर असफल होता है। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एक ऐसा माध्यम है जो अनुशासन और नियमितता के साथ निवेशक को लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न दिलाता है।

विविधताः अष्टलक्ष्मी का वित्तीय संदेश

लक्ष्मीजी के आठ रूप, अष्टलक्ष्मी, जीवन के अलग-अलग पहलुओं ज्ञान, संतति, स्वास्थ्य, विजय, धैर्य और धन - का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह हमें बताता है कि केवल एक पहलू पर ध्यान देने से संतुलन बिगड़ सकता है। निवेश के संदर्भ में इसका अर्थ है कि हमें अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाना चाहिए। इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और अंतर्राष्ट्रीय फंड्स जैसे विभिन्न साधनों में निवेश कर जोखिम को संतुलित किया जा सकता है।

धैर्य और कंपाउंडिंग का जादू

लक्ष्मीजी को प्रसन्न करने के लिए साधक वर्षों तक तपस्या करते हैं। इसी तरह निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण है। अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित होने की बजाय यदि निवेशक दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाएं, तो कंपाउंडिंग का प्रभाव उन्हें अपेक्षा से अधिक लाभ दिला सकता है। उदाहरण के लिए, 10 वर्षों तक नियमित 10,000 रुपये की एसआईपी करने वाला निवेशक कंपाउंडिंग की शक्ति से करोड़पति बनने की राह पर पहुँच सकता है।

केवल धन अर्जन नहीं, उसका सही उपयोग भी

लक्ष्मीजी केवल धन देने वाली नहीं, बल्कि उसके सही उपयोग की शिक्षा भी देती हैं। निवेशकों को यह समझना चाहिए कि बिना लक्ष्य के किया गया निवेश दिशा विहीन होता है। चाहे वह बच्चों की उच्च शिक्षा हो, घर खरीदने का सपना हो या सेवानिवृत्ति की योजना - हर लक्ष्य के अनुरूप सही निवेश साधन का चयन करना आवश्यक है। यह न केवल धन को सुरक्षित करता है बल्कि भविष्य की जरूरतों को भी सहज बनाता है।

जोखिम प्रबंधनः चंचला लक्ष्मी का सबक

मां लक्ष्मी का एक रूप चंचला भी है, यानी धन का अस्थिर होना। यह हमें बताता है कि बाज़ार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। निवेशकों को इस अस्थिरता को स्वीकार करना चाहिए और अपने जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। हर निवेशक को एसेट एलोकेशन रणनीति अपनानी चाहिए, जिसमें उम्र, आय और जोखिम प्रोफ़ाइल के आधार पर संपत्ति का संतुलित वितरण किया जाए।

डिजिटल युग में निवेश की नई राह

आज के समय में लक्ष्मीजी की कृपा डिजिटल स्वरूप में भी दिखाई देती है। मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म्स ने निवेश को सरल और सुलभ बना दिया है। छोटे-छोटे निवेश भी अब पारदर्शिता और तकनीकी सुरक्षा के साथ किए जा सकते हैं। निवेशक को चाहिए कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं और अपनी निवेश यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाएं।

विशेषज्ञों की राय

वित्तीय सलाहकारों का मानना है कि यदि निवेशक लक्ष्मीजी के संदेश - अनुशासन, विविधता, धैर्य और सही उपयोग - को अपनाते हैं, तो वे दीर्घकालिक समृद्धि हासिल कर सकते हैं। उनके अनुसार, त्योहारों का समय निवेशकों के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से अनुकूल होता है। यदि इस अवसर पर निवेश की शुरुआत की जाए, तो यह न केवल परंपरा का सम्मान होगा बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की ओर एक ठोस कदम भी।

लक्ष्मीजी से प्रेरणा लेकर निवेशक सीख सकते हैं कि धन केवल अर्जन करने का साधन नहीं है, बल्कि उसका सही प्रबंधन और नियोजन ही वास्तविक समृद्धि है। अनुशासन, धैर्य, विविधता और लक्ष्य-आधारित निवेश को अपनाकर हर निवेशक अपनी आर्थिक यात्रा को सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है। इस प्रकार, लक्ष्मी पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आधुनिक निवेश दर्शन का प्रतीक भी है।

पैसे बचाने की ये स्मार्ट आदतें अभी से डाल लें, बदल जाएंगे आर्थिक हालात

हर बड़ा सपना छोटी-छोटी आदतों से ही साकार होता है, और जब बात आर्थिक सफलता की हो, तो बचत पहली सीढ़ी बनती है। सोचिए, अगर हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाया जाए, तो कुछ ही समय में वो छोटी बचत बड़ी पूंजी में बदल सकती है। बचत कोई एक दिन का काम नहीं है, बल्कि ये एक ऐसी आदत है जो समय के साथ आपकी वित्तीय स्थिति को मजबूत बना सकती है। अक्सर हम सोचते हैं कि जब ज़्यादा कमाएंगे, तब बचाएंगे, लेकिन सच्चाई ये है कि बचत कमाई से नहीं, सोच से शुरू होती है। हम यहां पैसे बचाने की ऐसी स्मार्ट आदतों पर चर्चा करते हैं जिसे आप अभी से अपना लें, तो न सिर्फ आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा, बल्कि जीवन में आत्मविश्वास और सुकून भी बढ़ेगा।

कर्ज पर नियंत्रण रखें और उच्च ब्याज वाले लोन पहले चुकाएं

कर्ज शुरुआत में राहत देता है लेकिन बाद में आपकी कमाई पर बोझ बन जाता है, खासकर क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन जैसे महंगे कर्ज। सोच-समझकर ही उधार लें और पहले उन्हीं कर्जों को चुकाएं जिन पर ब्याज सबसे ज्यादा है।

सिर्फ जरूरी और गुणवत्ता वाले सामान में निवेश करें

सस्ते और नकली प्रोडक्ट्स तात्कालिक रूप से बजट के अनुकूल लग सकते हैं, लेकिन ये जल्दी खराब होते हैं और रिपेयर या रिप्लेसमेंट में आपकी जेब ढीली कर देते हैं। बेहतर है कि शुरुआत में ही अच्छी क्वालिटी का सामान खरीदें जो लंबे समय तक टिके।

बड़ी खरीदारी में समझदारी और सौदेबाजी दिखाएं

जब भी महंगे सामान (जैसे फ्रिज, टीवी, बाइक, फर्नीचर आदि) की खरीदारी करनी हो, मार्केट में चल रहे ऑफर्स, सेल या कूपन का फायदा उठाएं। थोड़ी सी रिसर्च से आप अच्छी-खासी रकम बचा सकते हैं।

बिजली, मोबाइल और अन्य मासिक खर्चों पर नजर रखें

अपने मोबाइल प्लान की समीक्षा करें और आवश्यकता अनुसार सस्ते या फैमिली प्लान का चुनाव करें। कई बार हम ऐसे महंगे प्लान्स इस्तेमाल कर रहे होते हैं जिनकी हमें असल में जरूरत नहीं होती। ऊर्जा-कुशल उपकरण और कम उपयोग वाले संसाधनों को खत्म कर आप हर महीने अच्छा खासा पैसा बचा सकते हैं।

बाहर खाने और मनोरंजन पर सीमित खर्च करें

बार-बार बाहर खाने या घूमने-फिरने से बड़ी रकम खर्च हो जाती है। महीने में कितनी बार बाहर जाना है, इसकी एक सीमा तय करें। घर पर खाना बनाना और दोस्तों-परिवार के साथ समय बिताना सस्ता और बेहतर विकल्प हो सकता है।

अतिरिक्त आमदनी और कैशबैक का सही इस्तेमाल करें

बोनस, उपहार, कैशबैक या अन्य आय को फालतू चीज़ों पर खर्च करने की बजाय बचत या निवेश में लगाएं। ये छोटी-छोटी आमदनियां बड़ी राहत बन सकती हैं।

बचत को आदत बनाएं और छोटे-मोटे घरेलू काम खुद करें

बचत को एक जरूरी और नियमित आदत बना लें, ठीक वैसे ही जैसे आप खाना खाते हैं या नींद लेते हैं। जब बचत स्वभाव का हिस्सा बन जाएगी, तो आपको सोच-समझकर खर्च करने की आदत भी अपने आप लग जाएगी। घर के छोटे-मोटे काम जैसे पेंटिंग, रिपेयर या सजावट खुद करना सीखें।

FOF (फंड ऑफ फंड्स) क्या है?

फंड ऑफ फंड्स (FOF) एक ऐसा म्यूचुअल फंड होता है जो सीधे स्टॉक्स, बॉन्ड्स या अन्य सिक्योरिटीज़ में निवेश करने की बजाय, दूसरे म्यूचुअल फंड्स या ETF में निवेश करता है।

विशेषताएं:

1. विविधता (Diversification): कई फंड्स में निवेश होने से रिस्क कम होता है।

2. सुविधा (Convenience): एक ही फंड के जरिए अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश संभव।

3. कम ज्ञान वालों के लिए बेहतर: जिन्हें अलग-अलग फंड चुनने में कठिनाई हो, उनके लिए ये आसान विकल्प है।

प्रकार:

- Domestic FOF: भारतीय म्यूचुअल फंड्स में निवेश करता है।
- International FOF: विदेशी फंड्स या ग्लोबल मार्केट में निवेश करता है।
- ETF आधारित FOF: ETF (Exchange Traded Fund) में निवेश करता है।

नुकसान

- डबल खर्चा - FOF में दो बार एक्सपेंस रेशियो लगता है (FOF का और उस फंड का जिसमें निवेश किया गया है)।
- रिटर्न थोड़ा कम हो सकता है डबल फीस के कारण।

किसके लिए उपयुक्त ?

- जो कम जोखिम लेकर लंबी अवधि में विविध निवेश चाहते हैं।
- जो ग्लोबल डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं लेकिन खुद से चयन नहीं करना चाहते।

यहां Fund of Funds (FOF) के बारे में और अधिक विस्तृत जानकारी दी गई है:

FOF (फंड ऑफ फंड्स) - विस्तृत जानकारी

1. Domestic FOF:

- केवल भारतीय फंड हाउस के म्यूचुअल फंड्स में निवेश करता है।
- उदाहरण: HDFC Multi Manager Fund – FoF

2. International FOF:

- विदेशी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करता है।
- जैसे –Franklin India Feeder - Franklin U.S. Opportunities Fund

3. ETF-Based FOF:

- अलग-अलग ETF में निवेश करता है।
- उदाहरण: Motilal Oswal Nasdaq 100 FOF

4. Asset Allocation FOF:

- इक्विटी, डेब्ट और गोल्ड ETF/फंड्स में बैलेंस बना कर निवेश करता है।

फायदे (Advantages):

- **डायवर्सिफिकेशन:** एक ही फंड के ज़रिए विभिन्न एसेट क्लास या थीम में निवेश।
- **कम जोखिम:** कई फंड्स में निवेश से एक फंड के खराब प्रदर्शन का असर कम होता है।
- **सुविधाजनक:** निवेशक को अलग-अलग फंड्स का चयन करने की ज़रूरत नहीं होती।
- **ग्लोबल एक्सपोजर:** इंटरनेशनल फंड्स के ज़रिए विदेशी बाजारों में निवेश की सुविधा।

कब चुनें FOF?

- जब आप अलग-अलग म्यूचुअल फंड्स को खुद मैनेज नहीं करना चाहते।
- जब आपको इंटरनेशनल मार्केट में निवेश करना है।
- जब आप multi-asset निवेश को सरल बनाना चाहते हैं।

FOF म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक सरल, सुविधाजनक और डाइवर्सिफाइड विकल्प है, लेकिन इसमें फीस और टैक्स के पहलुओं को ध्यान में रखकर ही निवेश करना चाहिए।

बैंक फ्रॉड से बचने के लिए इन बातों का रखना होगा ध्यान

आज के समय में ऑनलाइन लेनदेन बढ़ने के कारण बैंकिंग फ्रॉड का खतरा तेजी से बढ़ गया है। ग्राहकों को इससे बचाने के लिए आरबीआई की ओर से समय-समय पर गाइडलाइन्स जारी की जाती है, जिन्हें फॉलो करके आप आसानी बैंकिंग फ्रॉड के खतरे को कम कर सकते हैं।

1. इंस्टेंट अलर्ट को ऑन रखें

जब भी बैंक में खाता खोला जाता है तो बैंक की ओर से इंस्टेंट अलर्ट की सुविधा आपको दी जाती है। इसका फायदा यह होता है कि जब भी बैंक से कोई लेनदेन होता है तो आपको तुरंत मैसेज आ जाता है। इसवजह से हमेशा आपको बैंक खाते में मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को अपडेट रखना चाहिए।

2. ओटीपी, पिन और सीवीवी कभी शेयर न करें

कभी भी आपको अपने पिन, ओटीपी और डेबिट या क्रेडिट कार्ड के सीवीवी को शेयर नहीं करना चाहिए। इसको जितना संभव हो सके निजी रखें। इससे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी।

3. बैंक अकाउंट डिटेल्स अपने पास रखें

ज्यादातर बैंकों की ओर से 2437 सर्विस उपलब्ध कराई जाती है। इसमें वेबसाइट, फोन बैंकिंग,

एसएमएस, ई-मेल, आईवीआर आदि शामिल होता है। इस वजह से हमेशा अपनी बैंक डिटेल्स को अपने पास रखना चाहिए। इसका फायदा यह होता है कि कोई बैंक फॉड होने पर आप तत्काल बैंक को सूचना दे सकते हैं।

4. बैंक से पुष्टि लें

अगर आपको साथ कोई बैंक फ्रॉड हो जाता है तो नुकसान से बचने के लिए आपको सबसे पहले बैंक को सूचना देनी है। बैंक ब्रांच जाकर एक बार लिखित में इसकी पुष्टि जरूर लें। बैंक को किसी भी सूरत में 90 दिन के अंदर आपकी शिकायत का निवारण करना होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप बैंक लोकपाल को भी सूचना दे सकते हैं। अगर आपकी ओर से पेमेंट डिटेल शेयर किए बिना फ्रॉड होता है और आप तीन दिनों के भीतर बैंक को सूचना दे देते हैं तो आपको किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होगा।

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

फाइनेंशियली स्ट्रॉन्ग बनने की ये 6 आदतें हर किसी को पता होनी चाहिए

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। तो जानें 5 स्मार्ट हैबिट्स जो भविष्य को सुरक्षित बनाएंगी।

आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है।तो इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें।

1. इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि।तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

2. बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है।तो इसका

मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना। आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है।

इसके लिए एक फेमस रूल है

50/30/20 का नियम

50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

30% इनकम आपकी इच्छाओं पर खर्च हो, जैसे बाहर खाना, घूमने जाना, या शॉपिंग करना आदि।

20% इनकम बचत और निवेश के लिए हो। यह नियम आपको अपने खर्चों को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

3. सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करना

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है ताकि आपका पैसा बढ़ सके।असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट। तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

4. बीमा का महत्व

हेल्थ इंश्योरेंस:

यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस:

तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

5. दूसरों की देखा-देखी में खर्च न करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना।आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

6. अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए। अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें।

फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

दिवाली निवेश रणनीतिः म्यूचुअल फंड में पूंजी लगाने का सही समय

भारतीय शेयर बाज़ार में त्योहारी सीजन को पारंपरिक रूप से सकारात्मक माना जाता है। निफ्टी और सेंसेक्स का ऐतिहासिक आंकड़ा बताता है कि अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही में उपभोग-आधारित कंपनियों के शेयर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसी कारण दिवाली के अवसर पर म्यूचुअल फंड में निवेश को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ जाती है।

त्योहारों का असर बाज़ार पर

पिछले 10 वर्षों में दिवाली से लेकर वर्षांत तक निफ्टी ने औसतन 6-8 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की है। इस बढ़त का सीधा लाभ इक्विटी-आधारित म्यूचुअल फंड्स को मिलता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि एफएमसीजी, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और बैंकिंग सेक्टर में त्योहारी मांग से कंपनियों का तिमाही प्रदर्शन मज़बूत होता है, जो निवेशकों के रिटर्न को सहारा देता है।

किस प्रकार के फंड चुनें?

1. **'लार्ज कैप फंड्स'**: स्थिरता और मजबूत कंपनियों में निवेश चाहने वालों के लिए उपयुक्त ।

2. **'फ्लेक्सी कैप फंड्स'** : बड़े, मध्यम और छोटे कैप कंपनियों के मिश्रण से बेहतर विविधता।

3. **'थीमैटिक/सेक्टोरल फंड्स'** : ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर गुड्स या बैंकिंग

जैसे क्षेत्रों में तेज़ी का लाभ लेने के लिए।

4. **'डेट और हाइब्रिड फंड्स'** : कम जोखिम चाहने वालों के लिए सुरक्षित विकल्प।

निवेश का तरीका

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि त्योहार के उत्साह में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) से शुरुआत करें। इससे बाज़ार की अस्थिरता संतुलित होती है और निवेश अनुशासन में रहता है। हालांकि, यदि किसी निवेशक के पास अतिरिक्त बोनस या दिवाली बोनस राशि है, तो 'लार्ज कैप या इंडेक्स फंड' में एकमुश्त निवेश भी किया जा सकता है।

जोखिम और सावधानियाँ

त्योहारी रौनक में निवेश का माहौल भले सकारात्मक हो, लेकिन बाज़ार वैश्विक घटनाओं से भी प्रभावित होता है। अमेरिका में ब्याज दरों का रुख, कच्चे तेल की कीमतें और डॉलर की मज़बूती जैसे कारक भारतीय बाज़ार पर दबाव डाल सकते हैं। ऐसे में निवेशक केवल अल्पकालिक रुझान देखकर निर्णय न लें।

निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य तय करें। फंड का 5-10 साल का प्रदर्शन देखें। केवल रिटर्न नहीं, जोखिम-प्रबंधन और खर्च अनुपात (Expense Ratio) पर भी ध्यान दें।

विशेषज्ञों की राय

मार्केट विश्लेषकों के अनुसार, दिवाली पर निवेश की शुरुआत करना निवेशक मनोविज्ञान के लिहाज से अच्छा होता है। 'यह समय लंबी अवधि की वित्तीय योजना का आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

दिवाली केवल खरीदारी का त्यौहार नहीं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और निवेश यात्रा की शुरुआत का प्रतीक भी हो सकती है। म्यूचुअल फंड्स में निवेश निवेशकों को न केवल बाज़ार की वृद्धि में हिस्सेदारी देता है, बल्कि लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की मज़बूत नींव भी रखता है। सही रणनीति, उचित फंड चयन और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ किया गया दिवाली निवेश भविष्य के लिए वित्तीय स्वतंत्रता का मार्ग खोल सकता है।

डिस्क्लेमर

निवेश पत्रिका में प्रकाशित लेखों के माध्यम से बाजारों एवं कॉरपोरेट जगत के घटनाक्रमों की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया गया है। निवेश पत्रिका के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते है। निवेश पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले करोबारी निर्णयों के लिए निवेश पत्रिका कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है।

- संपादकः रमेशचन्द मालू

शोध अनुसार: यदि आप **10** वर्ष निवेश करते हैं और तेजी के केवल **20** दिन बाजार में निवेशक नहीं रहते तो आपका रिटर्न **50** प्रतिशत ही रह जाता है। तेजी के **20** दिन कौन से रहेंगे यह किसी को पता नहीं होता। केवल धैर्य रखने से फायदा होता है।

Invest in Tax Saving (ELSS) Schemes, and 54 EC Bonds

Invest for 80C ELSS (Start SIP From Today), Capital Gain 54EC Bonds.

Invest With Better Mutul Fund Distributor Having Experience of 32 Years

Mob.: 98290-06801/98290-99899/98290-40424

बच्चों की शादी व पढ़ाई हेतु शीघ्र निर्णय लें

एक वर्ष का बच्चा होते ही अगर 100 रु. प्रति दिन निवेश करें तो 15 वर्ष बाद (बच्चें की उम्र 16 वर्ष होने पर) पायें रु. 15 लाख लगभग।

और यदि यही निर्णय पांच वर्ष बाद लेते हैं 100 रू. प्रति दिन 10 वर्ष बाद (बच्चें की उम्र 16 वर्ष होने पर) पायें रु. 7 लाख लगभग।

गणना मात्र 12% ब्याज प्रतिवर्ष चक्रवृद्धि दर सें की गई है....

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

WHITEOAK
CAPITAL MUTUAL FUND
THE ART AND SCIENCE OF INVESTING

Reaching goals is easier when you Stay In Play!

Playing **Consistently** for full quota of overs is important to reach your goals in Cricket and Mutual Fund Investments. Start an SIP today!

To know more about Systematic Investment Plans call your Mutual Fund Distributor or contact us

mf.whiteoakamc.com
1800 266 3060

Scan to know about our SIP Variants

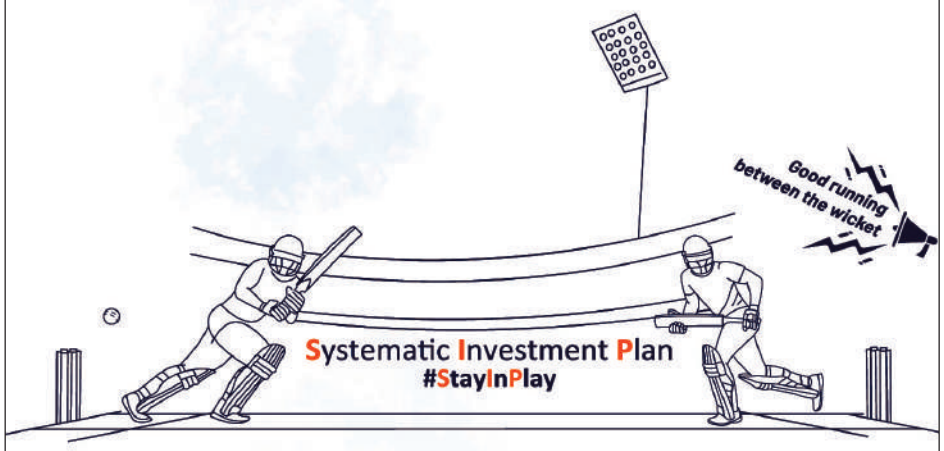

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

Aditya Birla Sun Life Mutual Fund
ADITYA BIRLA CAPITAL
MUTUAL FUNDS

बाज़ार के उतार चढ़ावों को पार कीजिए
बैलेंस्ड स्ट्रैटेजी के साथ

Aditya Birla Sun Life
Balanced Advantage Fund
में निवेश कीजिए

absImutualfund | absImf

Scheme:	This product is suitable for investors who are seeking*:	Risk-O-Meter
Aditya Birla Sun Life Balanced Advantage Fund (An open ended Dynamic Asset Allocation fund)	• Capital appreciation and regular income in the long term • Investment in equity & equity related securities as well as fixed income securities (Debt & Money Market securities) *Investors should consult their financial advisors if in doubt whether the product is suitable for them.	The risk of the scheme is Very High

Scan to Invest

Risk-O-Meter as of May 31st, 2025.
The scheme type and Risk-O-Meter(s) specified will be evaluated and updated on a monthly basis. For updated scheme type and Risk-O-Meters kindly refer to the latest factsheet.

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.
Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

अगर आप आज से ही ₹ 10000 महीने की SIP चालू करते है तो बन सकते है ₹ 1.5 करोड़

SIP RETURNS

₹ 5000 Invested Monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	RETURNS		
		10%	12%	15%
5	300000	387185	408348	442873
10	600000	1024225	1150193	1376085
20	1200000	3796844	4946277	7486197

₹ 10000 Invested Monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	RETURNS		
		10%	12%	15%
5	600000	774371	816697	885745
10	1200000	2048450	2300387	2752171
20	2400000	7593688	9892554	14972395

₹ 20000 Invested Monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	RETURNS		
		10%	12%	15%
5	1200000	1548741	1633393	1771490
10	2400000	4096900	4600774	5504341
20	4800000	15187377	19785107	29944790

₹ 50000 Invested Monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	RETURNS		
		10%	12%	15%
5	3000000	3871854	4083483	4428725
10	6000000	10242249	11501934	13760853
20	12000000	37968442	49462768	74861974

Call us to invest: 82870 99099 or mail us: info@mftoday.com

#Mutual fund investment are subject to market risk, read all scheme related document carefully

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक रमेश चन्द मालू द्वारा मोहन शर्मा एण्ड कंपनी प्रा.लि.ए-10, सुदर्शनपुरा औधोगिक क्षेत्र जयपुर से मुद्रित एवं 103 प्रथम मंजिल, बृज अनुकम्पा, बीएसएनएल के सामने, अशोक मार्ग, सी-स्कीम जयपुर-302001 से प्रकाशित। सम्पादक : रमेश चन्द मालू मो. 98290-40524, 98290-66601
ई-मेल : niveshpatrika@mftoday.com वेबसाईट: www.mftoday.com